भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5519

जिसका उत्तर 03 अप्रैल, 2025 को दिया जाना है।

.....

तेलंगाना के नलगोंडा जिले में अटल भूजल योजना का कार्यान्वयन

5519. श्री कुंदुरु रघुवीर:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार तेलंगाना के नलगोंडा जिले में भूजल के संकट से अवगत है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या नलगोंडा जिले में अटल भूजल योजना (एबीवाई) कार्यान्वित की जा रही है और यदि हां, तो एबीवाई के अंतर्गत शामिल ब्लॉकों/गांवों का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा एबीवाई के अंतर्गत नलगोंडा में सामुदायकि भागीदारी और सतत भूजल प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं;

(घ) नलगोंडा जिले में एबीवाई के कार्यान्वयन के लिए अब तक आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) तेलंगाना, विशेषकर नलगोंडा जिले में इस योजना के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क): केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और संबंधित राज्य नोडल/भूजल विभागों द्वारा प्रति वर्ष संयुक्त रूप से प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के सक्रिय भूमि जल संसाधनों का आकलन किया जा रहा है। वर्ष 2024 के नवीनतम आकलन के अनुसार, नालगोंडा जिले के लिए कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण 1.21 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) है और सभी उपयोगों के लिए कुल वार्षिक भूजल निष्कर्षण का आकलन 0.572 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) के रूप में किया गया है। भूजल निष्कर्षण का चरण (एसओई), जो वार्षिक निष्कर्षण योग्य भूमि जल संसाधन की तुलना में कुल भूजल निष्कर्षण का मापन है, इस जिले के लिए समग्र रूप से 52.35% है। इससे यह ज्ञात होता है कि यह जिला समग्र रूप से सुरक्षित श्रेणी में है। इसके अतिरिक्त जिले में कुल 33 आकलन इकाइयों (मंडलों) में से 25 इकाइयों को 'सुरक्षित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है और केवल 2 इकाइयों को 'अति-दोहित' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, सीजीडब्ल्यूबी द्वारा तेलंगाना के नालगोंडा जिले सहित पूरे देश भर में प्रति वर्ष चार बार भूजल स्तर की निगरानी की जाती है। नवंबर, 2024 के दौरान नलगोंडा जिले के निगरानी किए गए भूजल स्तर के आंकड़ों से यह संकेत मिलता है कि निगरानी किए गए लगभग 95% कुओं में जल स्तर 0-10 एमबीजीएल (मीटर भूतल से नीचे) के मध्य है। जिससे भूजल की सुलभ उपलब्धता का पता चलता है।

इसके अतिरिक्त नलगोंडा जिले में भूजल स्तर में दीर्घकालिक उतार-चढ़ाव का आकलन करने के लिए, नवंबर 2024 के दौरान सीजीडब्ल्यूबी द्वारा एकत्र किए गए जल स्तर के आंकड़ों की तुलना नवंबर (2014-2023) के दशकीय औसत से की गई है। जल स्तर आंकड़ों के इस विश्लेषण से पता चलता है कि निगरानी किए गए लगभग 65% कुओं में भूजल स्तर में वृद्धि हुई है।

(ख) से (ङ): तेलंगाना राज्य में अटल भूजल योजना का कार्यान्वयन नहीं किया जा रहा है।

*****